प्रधानमंत्री ने 83वीं कड़ी को संबोधित किया, कहा- देश में 70 से अधिक यूनिकॉर्न

स्टार्ट-अप के क्षेत्र में दुनिया की अगुवाई कर रहा भारत : मोदी

नई दिल्ली | एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि आज का युग स्टार्ट-अप का युग है। और भारत इस क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व कर रहा है, जहां 70 से अधिक स्टार्ट-अप एक अरब डॉलर से अधिक के मूल्यांकन को पार कर गए हैं। देश में हर 10 दिन में एक नया यूनिकॉर्न स्टार्टअप खड़ा हो रहा है।

मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 83वीं कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन दिनों हम अपने चारों तरफ स्टार्ट-अप, स्टार्ट-अप, स्टार्ट-अप सुनते हैं। यह सच है कि यह स्टार्ट-अप का युग है। यह भी सच है कि स्टार्ट-अप के क्षेत्र में भारत एक तरह से दुनिया में अग्रणी है। उन्होंने कहा कि साल दर साल स्टार्ट-अप को रिकॉर्ड निवेश मिल रहा है। यह क्षेत्र तेज गति से विकास कर रहा है। मोदी ने कहा, देश के छोटे शहरों में भी स्टार्ट-अप की पहुंच बढ़ी है। यूनिकॉर्न शब्द आजकल काफी चर्चा में है। एक अरब डॉलर से अधिक के मूल्यांकन को पार करने वाली 'स्टार्ट-अप' इकाइयों को यूनिकॉर्न कहा जाता है।

प्रधानमंत्री ने कहा, 'साल 2015 तक देश में नौ से 10 यूनिकॉर्न थे, आपको जानकर बहुत खुशी होगी कि भारत अब यूनिकॉर्न की दुनिया में भी काफी ऊपर है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल एक बड़ा बदलाव आया है और महज 10 महीनों में, भारत में हर 10 दिन में एक यूनिकॉर्न बना है।' यह बड़ी बात है, क्योंकि भारत के युवाओं ने महामारी के बीच यह सफलता हासिल की है। मोदी ने कहा, आज भारत में 70 से ज्यादा यूनिकॉर्न हैं, यानी 70 से ज्यादा स्टार्ट-अप ने एक अरब डॉलर के मूल्यांकन को पार कर लिया है। उन्होंने कहा कि भारतीय युवा भी स्टार्ट-अप के माध्यम से वैश्विक समस्याओं के समाधान में योगदान दे रहे हैं।

मोदी ने एक युवा से भी बात की, जिसने प्रौद्योगिकी की शुरुआत करके प्रदूषण की समस्या के हल को सामने रखने की कोशिश की है, जिसके द्वारा वह बसों के उत्सर्जन को 40 प्रतिशत तक कम करने में कामयाब रहा।

लोगों की सेवा में रहना चाहता हूं, सत्ता में नहीं

प्रधानमंत्री ने कहा कि वह लोगों की सेवा में रहना चाहते हैं, सत्ता में नहीं। आयुष्मान भारत के तहत घुटने का ऑपरेशन कराने वाली मथुरा के दामोदरपुरा मोहल्ले की सुखदेवी ने उनके सत्ता में बने रहने की जब कामना की तो उन्होंने कहा, 'मैं आज भी सत्ता में नहीं हूं और भविष्य में भी सत्ता में नहीं रहना चाहता हूं। मैं सिर्फ सेवा में रहना चाहता हूं। मेरे लिए ये पद, सत्ता के लिए है ही नहीं, सेवा के लिए है।' योजनाओं से बदले हुए जीवन का अनुभव क्या है? जब ये सुनते हैं तो हम भी संवेदनाओं से भर जाते हैं। यह मन को संतोष भी देता है।

जालौन में नून नदी को पुनर्जीवित करना मिसाल

यह कहते हुए कि यह जरूरी नहीं है कि वीरता केवल युद्ध के मैदान पर प्रदर्शित की जानी चाहिए, मोदी ने बताया कि कैसे यूपी के जालौन के लोगों ने नून नदी को पुनर्जीवित किया जो विलुप्त होने के कगार पर थी।

पर्यावरण संरक्षण पर जोर : रेडियो कार्यक्रम में मोदी ने मेघालय में एक नाव की वायरल तस्वीर का जिक्र करते हुए कहा, जब हम हवा में तैरती इस नाव को करीब से देखते हैं, तो हमें पता चलता है कि यह नदी के पानी पर चल रही है। उन्होंने कहा कि नदी का पानी इतना साफ है कि नौका हवा में तैरती दिखती है। इन लोगों ने प्रकृति के साथ तालमेल बिठाकर जीने की शैली को आज भी जिंदा रखा है।